KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

SSC GD FOUNDATION 2024 -25

Bilingual

PRABHU SIR

आपातकाल Emergency

आपातकाल emergency (352-360)

①	②	③
राष्ट्रीय आपातकाल	सवैधानिक तंत्र की विफलता	वित्तीय आपातकाल
National emergency	Failure of constitutional machinery	Financial
Art. 352	Art 356	Art 360

(राष्ट्रपति शासन)
(President's rule)

→ अनु. 365 ÷ यदि राज्य संघ के नीतियों की सलाह नहीं माने तो।

राष्ट्रीय आपातकाल Emergency Art 352 –

यदि राष्ट्रपति को यह समाधान (मंत्री परिषद) हो जाए की सम्पूर्ण भारत या उसके किसी क्षेत्र में युद्ध , वाह्य आक्रमण , या सशस्त्र विद्रोह होने वाला है या होने की संभावना है तो सम्पूर्ण भारत या उसके किसी क्षेत्र में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर सकेगा।

If the President is satisfied that there is going to be or is likely to be a war, external aggression, or armed rebellion in the whole of India or any of its areas, then he can declare a national emergency in the whole of India or any of its areas.

अनुमोदन Approval - घोषणा के पश्चात् 30 दिन के भीतर दोनों सदनों से विशेष बहुमत से सहमति लेना अनिवार्य। It is mandatory to get consent from both the houses by special majority within 30 days after the declaration.

अवधी Duration - 6-6 माह से अनिश्चित काल तक , प्रत्येक एक वर्ष से अधिक की बृद्धि पर अनुमोदन आवश्यक। From 6 months to indefinite period, approval is necessary for every increase of more than one year.

प्रभाव Effect - 1. अनु 19 तत्काल प्रभाव से निलंबित - अनु 358
Article 19 suspended with immediate effect - Article 358

2. अन्य मूल अधिकार पर राष्ट्रपति विधि बनाकर निलंबित कर सकेगा। - अनु 359
The President can suspend other fundamental rights by making a law. - Article 359

अपवाद - अनु 20 और 21 कभी निलंबित नहीं होगा। - 44 वा CAA 1978
Exception - Article 20 and 21 will never be suspended. - 44th CAA 1978

3 . राज्य सूचि के विषय पर विधि बनाने का अधिकार संघ के पास होगा। - अनु २५०
The Union will have the right to make laws on the subjects of the State List. - Article 249

4. लोकसभा के और विधान सभा के कार्यकाल में प्रत्येक वृद्धि पर एक साल की वृद्धि।
One year increase in the tenure of Lok Sabha and Legislative Assembly for each opposition.

5. अब तक 3 बार राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा किया जा चूका है।
National emergency has been declared 3 times so far.

1. चीन युद्ध 1962-68 China War 1962 -68 → Neharu - शास्त्री - I.G.
2. पाक युद्ध 1971 Pak War 1971 → I.G.
3. देश में अशांति 1975 -1977 Unrest in the country 1975 -1977 → I.G.

44वां C.A.A. 1978 — 25 जून 1975 → संविधान हत्या दिवस

केन्द्र पर सशस्त्र विद्रोह

Art. 356 राष्ट्रपति शासन (President's rule)

राज्य

यदि राष्ट्रपति को स्वयं से या राज्यपाल के माध्यम से यह समाधान हो जाय की राज्य संविधान के अनुरूप कार्य नहीं कर रहा है तो राष्ट्रपति राज्य की शासन व्यवस्था राज्यपाल के माध्यम से अपने हाथ में ले लेता है। → संवैधानिक तंत्र विफल

If the President is satisfied either himself or through the Governor that the state is not functioning as per the Constitution, then the President takes over the administration of the state through the Governor.

अनुमोदन Approval - घोषणा के पश्चात 60 दिन के भीतर दोनों सदनों से साधारण बहुमत से अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य। यदि लोकसभा सत्र में नहीं हो तो नव निर्वाचित लोकसभा से 30 दिन के भीतर अनुमोदन लेना अनिवार्य।

It is mandatory to get approval from both the houses with a simple majority within 60 days after the declaration. If the Lok Sabha is not in session, then it is mandatory to get approval from the newly elected Lok Sabha within 30 days.

अवधी - 6 - 6 माह से अधिकतम 3 वर्ष तक

Duration - 6 - 6 months to maximum 3 years.

अपवाद - पंजाब राज्य में max. 5 वर्ष तक

Exception - Up to 5 years in the state of Punjab

एक वर्ष से अधिक वृद्धि के लिए निम्न दो शर्तो में से एक शर्त का होना अनिवार्य।

For an increase of more than one year, one of the following two conditions must be met.

1. सम्पूर्ण भारत या किसी क्षेत्र में राष्ट्रपति शासन लागु हो।

President's rule is imposed in the whole of India or any region.

2. निर्वाचन आयोग उस राज्य में चुनाव करवाने से मना कर दें।

The Election Commission refuses to conduct elections in that state.

प्रभाव Effect –

1. विधान सभा निलंबित हो जायेगा। The Legislative Assembly will be suspended.
2. मंत्रिपरिषद भांग हो जायेगा। The Council of Ministers will be dissolved.
3. राज्य का शासन राष्ट्रपति के पास राज्यपाल के माध्यम से।
The administration of the state is with the President through the Governor.

सबसे अधिक बार राष्ट्रपति शासन उत्तर प्रदेश और मणिपुर में 10 बार।
The President has imposed the President's rule the most number of times, 10 times in Uttar Pradesh and Manipur.

पहली बार राष्ट्रपति शासन और सबसे अधिक दिनों तक पंजाब राज्य में।
first time and for the longest period in the state of Punjab.

नोट- राष्ट्रपति शासन की न्यायिक जांच उच्चतम न्यायलय कर सकेगा।
Note- The judicial investigation of President's rule can be done by the Supreme Court.

Art.360 वित्तीय आपातकाल Financial emergency

यदि राष्ट्रपति को यह समाधान हो जाय की सम्पूर्ण भारत या उसके किसी क्षेत्र में वित्तीय संकट उत्पन्न होने वाला है या होने की संभावना है , तो वित्तीय आपातकाल की घोषणा किया जा सकेगा। If the President is satisfied that a financial crisis is about to arise or is likely to arise in the whole of India or any of its areas, then a financial emergency can be declared.

अनुमोदन - राष्ट्रपति शासन की तरह
Approval - Like President's rule

अवधी - 6 - 6 माह से अनिश्चितकाल तक
Duration - 6 - From 6 months to indefinite

प्रभाव - 1. मुख्य न्यायाधीश से लेकर संघ या राज्य सरकार के अधीन कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों के वेतन में कटौती। Cut in the salary of all employees working under the Union or State Government, starting from the Chief Justice.

2. विधानसभा के द्वारा पारित धन विधेयक पर संसद का नियंत्रण होगा।

Parliament will have control over the money bill passed by the Legislative Assembly.

3. अब तक कभी भी इस अनुच्छेद का प्रयोग नहीं किया गया है।

This article has never been used till now.

नोट- तीनो आपालकाल को कभी भी राष्ट्रपति बिना किसी अनुमोदन के कभी भी वापस ले सकता है।

Note- All three emergencies can be withdrawn by the President at any time without any approval.

प्रस्तावना

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11

12, 13, 14, 15, 15-ग, 16, 16-घ, 17, 18, 19, 20, 21

21क, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32

33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 39A., 40, 41, 42, 43, 43क

43ख, 44, 45, 46, 47, 48, 48क, 49, 50, 51, 51क

52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62

63, 64, 65, 66, 67, 69, 71, 72, 74, 75, 76

78, 79, 80, 81, 85, 88, 89, 93, 100, 102, 105, 108

110, 112, 114, 117, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129

131, 132-136, 136, 137, 138, 139, 143, 148, 153, 154, 155

156, 157, 158, 159, 161, 163, 164, 165, 168, 169, 170, 171

200
213
214
215
226
233
245
246
248
249
250
252
253
256
257
258
258क
262
263
266
267
279A
280
300A
312
315
317
320
324
325
326
330
331
332
333
334
335
338
338A
338B
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
350क
351
352
356
358
359
360
365
368
370
371
394

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING